

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : 26 सितम्बर, 2016

विषय:- जनपद रुद्रप्रयाग के विधान सभा क्षेत्र रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड अगस्त्यमुनि में कोट-घोलतीर मोटर मार्ग निर्माण कार्य की पुनरीक्षित स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 1999-2000 में राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद चमोली गौचर में कोट लिंक घोलतीर नाम से मोटर मार्ग निर्माण की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति शासनादेश संख्या-1222/28-5-2000-015सा०/1998 उत्तरांचल विकास अनुभाग-5 लखनऊ दिनांक 25 मार्च, 2000 द्वारा लम्बाई 10.00 किमी० एवं लागत ₹ 144.00 लाख हेतु प्रदान की गई है।

2- यह मार्ग पूर्व निर्मित हरियाली-कोट-तल्ला-मल्ला मोटर मार्ग (लम्बाई 5.00 किमी०) के अन्तिम बिन्दु से आरम्भ होकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-58 पर घोलतीर नामक स्थान पर मिलता है। मूल संरेखण के अनुसार मार्ग की वास्तविक लम्बाई 8.225 किमी० आती है। यह मूल संरेखण अधीक्षण अभियन्ता, गोपेश्वर द्वारा वर्ष 2001 में अनुमोदित किया गया। मार्ग कार्य की प्राविधिक स्वीकृति मुख्य अभियन्ता, पौड़ी द्वारा वर्ष 2002 में ₹ 97.00 लाख की प्रदान की गई, जिसके सापेक्ष मूल संरेखण के चैनैज 0.00 से 1.65 एवं 3.45 से 8.225 में पहाड़ कटान व स्कपर निर्माण का कार्य किया गया।

मार्ग के चैनैज 1.65 से 3.45 के मध्य वन भूमि होने के कारण कोई कार्य नहीं किया जा सका। इस भाग की वन भूमि की विधिवित स्वीकृति भारत सरकार से 30 अक्टूबर, 2010 को प्राप्त हुई।

मार्ग निर्माण के दौरान चैनैज 0.00 से 1.65 तथा 3.45 से 8.225 के मध्य में से किमी० 1.00 में ग्राम कोट की ओर से लगभग 500 मीटर लम्बाई व किमी० 2.00 में 200 मीटर लम्बाई एवं किमी० 7.00 में 200 मीटर लम्बाई में भूस्खलन के कारण मार्ग ध्वस्त हो गया, जिस कारण मार्ग कार्य अवरुद्ध हो गया तथा भूस्खलन क्षेत्र से मार्ग संरेखण परिवर्तित किये जाने की आवश्यकता महसूस हुई। इसके दृष्टिगत आई०आई०टी० रुड़की से स्थल निरीक्षण कराया गया तथा आई०आई०टी० रुड़की द्वारा पूर्व अनुमोदित संरेखण से 500 मीटर पूर्व अर्थात् हरियाली-कोट-तल्ला-मल्ला मोटर मार्ग के चैनैज 4.50 से संरेखण आरम्भ कर कोट मल्ला होते हुए पुनः पूर्व अनुमोदित संरेखण पर मिलाने जाने की संस्तुति की गई। इसी प्रकार द्वितीय भूस्खलन वाले भाग में चैनैज 6.125 से 7.35 के भाग में भी संरेखण परिवर्तन किये जाने की संस्तुति की गई।

उक्त के दृष्टिगत परिवर्तित संरेखण अधीक्षण अभियन्ता, गोपेश्वर द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2009 को अनुमोदित किया गया। तत्पश्चात् ग्राम कोट की ओर से परिवर्तित संरेखण (लम्बाई 2.60 किमी०) पर पहाड़ कटान के कार्य हेतु मुख्य अभियन्ता, पौड़ी के द्वारा दिनांक 29 अप्रैल, 2009 को ₹ 47.00 लाख की प्राविधिक स्वीकृति प्रदान की गई।

इस प्रकार विषयगत मोटर मार्ग के चैनैज 1.65 3.45 के मध्य मार्ग निर्माण हेतु वन भूमि की विधिवित स्वीकृति दिनांक 30 अक्टूबर, 2010 द्वारा अर्थात् विलम्ब से प्राप्त होने एवं विभिन्न चैनैजों में भूस्खलन होने तथा तदनुसार संरेखण परिवर्तित होने के कारण मार्ग निर्माण में विलम्ब हुआ। इस बीच निर्माण सामग्री एवं श्रमिक की दरों में अत्यधिक वृद्धि हो जाने के कारण स्वीकृत लागत ₹ 144.00 लाख से मार्ग की परिवर्तित संरेखण के पश्चात् निर्धारित वास्तविक लम्बाई 9.675 किमी० में निर्माण कार्य किया जाना सम्भव न हो पाने के फलस्वरूप मुख्य अभियन्ता, लो०नि०वि०, पौड़ी के द्वारा वर्तमान में शासन को विषयगत नाम से उपलब्ध कराये गये पुनरीक्षित विस्तृत आगणन, जिसकी टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित लागत ₹ 468.15 लाख (₹ 144.00 लाख

पूर्व स्वीकृत लागत+₹ 324.15 लाख अतिरिक्त लागत) है, की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति माननीय श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- (i)- उक्त पुनरीक्षित स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि शासनादेश संख्या-1222/28-5-2000-015सा0/1998 उत्तरांचल विकास अनुभाग-5 लखनऊ दिनांक 25 मार्च, 2000 द्वारा स्वीकृत लागत ₹ 144.00 लाख को, प्रस्तुत पुनरीक्षित आगणन पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा परीक्षणोंपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 468.15 लाख से घटाते हुए, अतिरिक्त लागत ₹ 324.15 लाख से अवशेष कार्यों को पूर्ण करा लिया जायेगा। पूर्व स्वीकृत लागत के सापेक्ष यदि कोई धनराशि, आवंटन के पूर्व व्यय कर ली गई हो अथवा अवशेष हो तो उस धनराशि को स्वीकृत लागत से समायोजित करके अवशेष धनराशि ही चालू कार्यों पर अवमुक्त की जायेगी। इसके अतिरिक्त अब उक्त कार्य हेतु अतिरिक्त धनराशि किसी भी दशा में स्वीकृत नहीं की जायेगी। शासनादेश दिनांक 25 मार्च, 2000 केवल उक्त अनुमन्य सीमा तक ही संशोधित समझा जाय।
 - (ii)- पुनरीक्षित विस्तृत आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति हेतु नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
 - (iii)- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।
 - (iv)- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
 - (v)- ठेकेदार द्वारा समय से कार्य पूरा न करने की दशा में debitable आधार पर अन्य एजेन्सी का अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत नियमानुसार चयन कर निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा। स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में, शासन की पूर्वानुमति के बिना, अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।
 - (vi)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
 - (vii)- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जायेगी।
 - (viii)- पुनरीक्षित विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाईन/मात्राओं एवं कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का सम्पूर्ण दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का होगा।
- 3- उक्त योजना पर होने वाला व्यय लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं0:-22 लेखाधीर्शक-5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04 जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03 राज्य सेक्टर-01 चालू निर्माण कार्य-24 वृहत निर्माण कार्य की मद से निवर्तन पर रखी गई धनराशि से, आवश्यकतानुसार, अपने स्तर से किया जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा विभिन्न पत्रावलियों में दिये गये परामर्शानुसार निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(डी0एस0 गब्याल)
सचिव

संख्या : 2449 / 111(2)/16-60(प्रा0आ0)/16 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
4. क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, पौड़ी।
5. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, जनपद, रुद्रप्रयाग।
- ✓ 6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता/अधिशाली अभियन्ता, लो0नि0वि0, उत्तराखण्ड।
8. गार्डबुक।

आज्ञा से
(ए0एस0 पांगती)
उप सचिव